



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 490]
No. 490]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 30, 1996/भाद्र 8, 1918
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 30, 1996/BHADRA 8, 1918

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1996

का० आ० 600(अ) — पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 72 की उप-धारा (3) के साथ पठित उसकी उपधारा (1) के अधीन सिख गुरुद्वारा अधिनियम, 1925 (1925 का पंजाब अधिनियम 8) के अधीन गठित बोर्ड 1 नवम्बर, 1966 की ओर से, ऐसे निर्देशों के अधीन रहते हुए, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए जाएं, उन क्षेत्रों में जिनकी बाबत यह उस दिन से ठीक पूर्व कार्य कर रहा था और प्रभावी था, तब तक कार्य करता रहेगा और प्रभावी रहेगा जब तक कि उक्त बोर्ड की बाबत विधि द्वारा कोई अन्य उपबंध नहीं किया जाता है;

और उक्त धारा 72 की उप-धारा (2) के अधीन, ऐसे किसी निदेश में ऐसा कोई निदेश भी सम्मिलित होगा कि ऐसी कोई विधि, जिसके द्वारा उक्त बोर्ड शासित है, उस बोर्ड को उसके लागू करने में ऐसे अपवादों और उपांतरणों के अधीन, जो निदेश में विनिर्दिष्ट किए जाएं, प्रभावी होगी;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा 72 की उप-धारा (2) और उप-धारा (3) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि सिख गुरुद्वारा अधिनियम, 1925 (1925 का पंजाब अधिनियम 8), इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से निम्नलिखित और उपान्तरों के अधीन रहते हुए प्रभावी होगा, अर्थात् :—

(1) धारा 43-क की उपधारा (1) के खंड (i) में, "एक सौ चालीस" शब्दों के स्थान पर "एक सौ सत्तर" शब्द रखे जाएंगे।

(2) धारा 44 में,—

(i) उप-धारा (1) में, "उपधारा (2)" शब्दों, कोष्ठकों और अंक के स्थान पर "उप-धारा (2) और उप-धारा (3)" शब्द, कोष्ठक और अंक रखे जाएंगे;

(ii) उप-धारा (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप-धारा अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

"(3) केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर, और बोर्ड में ऐसे परामर्श करने के पश्चात् या जैसा वह उचित समझे, उप-धारा (2) के अधीन यथा उपबंधित से भिन्न तीस निर्वाचन-क्षेत्रों का चयन करेगी, जो कि बहु निर्वाचन-क्षेत्र होंगे, जिनमें प्रत्येक से दो सदस्य निर्वाचित किए जाएंगे जिसमें से एक महिला होगी :

परन्तु महिलाओं के लिए आरक्षित तीस स्थानों में से पांच स्थान अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे।"

[फा० सं० 11033/1/95-आई० एस्(डी०)]

शिव बसंत, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th August, 1996

S.O. 600(E).—Whereas under sub-section (1) of Section 72 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966) read with sub-section (3) thereof, the Board constituted under the Sikh Gurudwaras Act, 1925 (Punjab Act 8 of 1925) shall, on and from the first day of November, 1966, continue to function and operate in those areas in respect of which it was functioning and operating immediately before the day, subject to such directions as may, from time to time be issued by the Central Government until other provision is made by law in respect of the said Board;

And, whereas, under sub-section (2) of said Section 72, any such direction may include a direction that any law by which the said Board is governed shall, in its application to the Board, have effect to such exceptions and modifications as may be specified in the direction;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-sections (2) and (3) of the said Section 72, the Central Government hereby directs that the Sikh Gurudwaras Act, 1925 (Punjab Act 8 of 1925) shall have effect as from the date of issue of this notification, subject to the following further modifications, namely :—

(1) In Section 43-A, in sub-section (1), in clause (i) for the words “one hundred and forty” the words “one hundred and seventy” shall be substituted.

(2) In section 44,—

(i) in sub-section (1) for the words, brackets and figure “sub-section (2)”, the words, brackets and figures “sub-sections (2) and (3)” shall be substituted;

(ii) after sub-section (2), the following sub-section shall be inserted, namely :—

“(3) The Central Government shall from time to time and after such consultation with the Board or as it considers proper, select thirty constituencies, other than those provided under sub-section (2), which shall be plural constituencies, each two members of whom one shall be a woman.

Provided that out of thirty seats reserved for women five seats shall be reserved for women belonging to the Scheduled Castes.”

[F. No. 11033/1/95-IS(D.I.)]

SHIV BASANT, Jt. Secy.